आइल फैक्टरी में भीषण आग, ड्रायवर और फायर फाइटर झुलसे

- पांच फायर ब्रिगेड ने घंटों मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू
- शॉर्ट सर्किट से हादसे की आशंका

इंदौर. पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र की सेक्टर-3 स्थित शिवम इंडस्ट्रीज आइल फैक्टरी में देर रात भीषण आग लग गई. कुछ ही मिनटों में आग ने पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया. फैक्टरी से उठते धुएं के गुबार को देखकर आसपास के लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी.

जानकारी के अनुसार, आग लगने के समय फैक्टरी परिसर में आइल से भरा टैंकर भी मौजूद था, जिसे समय रहते हटा लिया गया. आग बुझाने के लिए पांच दमकल वाहनों को लगाया गया और करीब दो बजे रात तक लगातार प्रयासों के बाद लपटों पर काबू पाया जा सका. घटना में टैंकर ड्रायवर मनोज झा और फायर फाइटर दिलीप सिंह यादव झुलस गए. मनोज को पहले नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से स्थिति गंभीर होने पर उन्हें इंदौर के बड़े अस्पताल में रेफर किया गया. फायर फाइटर की हालत स्थिर बताई जा रही है. हादसे की जानकारी मिलते ही एसपी मयंक अवस्थी, एएसपी पारुल बेलापुरकर, एसडीएम राहुल गुप्ता, तहसीलदार शिवानी श्रीवास्तव, नगर पालिका अधिकारी निशिकांत शुक्ला और थाना प्रभारी सुनील शर्मा मौके पर पहुंचे. प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है. प्रशासन ने घटना की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं.

अस्पताल में भर्ती भानजे को खाना देने जा रहे मामा को ट्रक ने रौंदा

इंदौर. अस्पताल में भर्ती भानजे को देखने जा रहे मामा की शुक्रवार रात सड़क हादसे में मौत हो गई. हादसा कनाडिया ब्रिज पर हुआ, जहां एक ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी. पुलिस ने चालक को गिरफ्तार कर ट्रक जब्त कर लिया है.

कनाडिया पुलिस के अनुसार मृतक 45 वर्षीय रामविलास पिता मिश्रीलाल चौकीदारी करता था. उसका भानजा इंडेक्स अस्पताल में भर्ती था. वह उसे टिफिन देने के लिए घर से बाइक पर निकला था. कनाडिया ब्रिज के पास ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी. गंभीर रूप से घायल रामविलास को एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई.

जूनी इंदौर ब्रिज पर बाइक

फिसलने से व्यापारी की मौत : इसी तरह जूनी इंदौर ब्रिज पर एक व्यापारी की जान चली गई. जूनी इंदौर थाना प्रभारी अनिल गुप्ता ने बताया कि 36 वर्षीय इंदरसिंह पिता मुकेश, निवासी भोलाराम उस्ताद मार्ग, बाइक पर सवार होकर ब्रिज से उतर रहा था, तभी बाइक फिसलने से वह गिर गया. सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई. शव का पोस्टमार्टम एमवाय अस्पताल में कराया गया.

ई-रिक्शा पलटने से चालक घायल

देपालपुर रोड पर ई-रिक्शा पलटने से चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल की पहचान 42 वर्षीय सीताराम पिता भैरासिंह, निवासी रविदास नगर के रूप में हुई है. उसे उपचार के लिए एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया है.

नवविवाहिता ने जहर खाकर दी जान

हीरानगर क्षेत्र में रहने वाली 20 वर्षीय नवविवाहिता माही पति लव ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली. उसका मायका सूर्यदेव नगर में है और करीब नौ माह पहले उसकी शादी हुई थी. मायके पक्ष का आरोप है कि उसे ससुराल पक्ष द्वारा प्रताड़ित किया जाता था, जिसके चलते उसने यह कदम उठाया. पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है.

केंद्रीय जेल का वीडियो हुआ वायरल, सुरक्षा पर उठे सवाल

प्रशासन ने शुरू की जांच

इंदौर. सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो ने शहर की सेंट्रल जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं. 'जिद्दी बाबू' नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट किए गए इस वीडियो में जेल के अंदर का दृश्य दिखाई दे रहा है. बताया जा रहा है कि यह वीडियो 29 अक्टूबर का है, जिसमें जेल परिसर और कैदी स्पष्ट रूप से नजर आ रहे हैं.

जानकारी के अनुसार, पहले राजकुमार ब्रिज के पास स्थित टंकी से जेल परिसर का कुछ हिस्सा दिखता था, जिसे सुरक्षा कारणों से हटा दिया था. अब बदमाशों ने नजर डालने के नए तरीके खोज लिए हैं और जेल से जुड़ी सामग्री सोशल मीडिया पर सार्वजनिक करने तक की हिम्मत कर रहे हैं. जेल अधिकारी मनोज नागर ने बताया कि जेल से संबंधित पुराने नियम उस समय के हैं, जब मोबाइल फोन का चलन नहीं था, इसलिए वीडियो बनाकर साझा करने को लेकर स्पष्ट प्रावधान नहीं है. उन्होंने कहा कि अब लोग ड्रोन और अन्य तकनीक से वीडियो बना रहे हैं, जिससे सुरक्षा पर नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं.

वास्तविकता और मंशा पता चलते ही कार्रवाई की जाएगी

वहीं, जेल अधीक्षक अलका सोनकर ने कहा कि वायरल वीडियो की जांच की जा रही है कि यह वास्तव में सेंट्रल जेल का ही है या नहीं. उन्होंने कहा कि किसी भी जेल के अंदर इस तरह से वीडियो बनाना और उसे सार्वजनिक करना गलत है. वीडियो की वास्तविकता और इसके पीछे की मंशा पता चलते ही कानूनी कार्रवाई की जाएगी. सोनकर ने यह भी बताया कि इस मामले में थाना स्तर पर आवेदन दिया जा रहा है. उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि ऐसे वीडियो शेयर न करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी सीधे पुलिस को दें. प्रशासन ने जेल परिसर की सुरक्षा व्यवस्थाओं की भी पुन:समीक्षा शुरू कर दी है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके.

शहर में तीन दिन से घायल हालत में भटक रहा था बंदर

इंदौर. शिवाजी वाटिका से व्हाइट चर्च के बीच बीते तीन दिनों से घायल हालत में घूम रहे बंदर को आखिरकार वन विभाग की टीम ने देर रात रेस्क्यू कर लिया. स्थानीय लोगों और पशु प्रेमियों की शिकायतों के बावजूद विभाग की टीम मौके पर देर से पहुंची, जिसके बाद शुक्रवार तड़के यह कार्रवाई की गई.

पशु प्रेमी संस्था पीपल फॉर एनिमल्स के प्रियांशु जैन ने बताया कि बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात करीब 1 बजे रेंजर संगीता ठाकुर को सूचना दी गई. इसके बाद टीम रात दो बजे मौके पर पहुंची और क्षेत्र में बंदर की तलाश शुरू की. करीब कुछ घंटों की मेहनत के बाद घायल बंदर को सुरक्षित रूप से पकड़ लिया. रेस्क्यू के बाद बंदर को उपचार के लिए वन विभाग कार्यालय ले जाया गया है, जहां पशु चिकित्सक उसका इलाज कर रहे हैं. विभागीय अधिकारियों के अनुसार बंदर को पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद ही प्राकृतिक वातावरण में छोड़ा जाएगा. फिलहाल, उसे विभाग की देखरेख में रखा गया है.

एक नजर में

दो दिवसीय वार्षिक उत्सव का शुभारंभ

इंदौर. श्री वैष्णव इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस में दो दिवसीय वार्षिक उत्सव 'सिनर्जी 2025' का उत्साहपूर्वक शुभारंभ हुआ. मुख्य अतिथि एवं संस्थान की पूर्व छात्रा जागृति भार्गव, संस्थापक प्रोक्योर इन्फोटेक प्रालि, ने विद्यार्थियों को सफलता के लिए आत्मअनुशासन, दृढ़ निश्चय और समर्पण को जीवन का मूलमंत्र बनाने की प्रेरणा दी. संस्थान के निदेशक डॉ. जॉर्ज थॉमस ने कहा कि 'सिनर्जी' विद्यार्थियों की रचनात्मकता, टीम भावना और नेतृत्व कौशल को विकसित करने का सशक्त मंच है. चेयरमैन विष्णु पसारी ने महोत्सव का औपचारिक शुभारंभ किया और विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं. कार्यक्रम में रंगोली, मेहंदी, फैशन शो, नृत्य, क्विज, शॉर्ट वीडियो मेकिंग, फन फेयर, कोलाज, ड्रामा और फेस पेंटिंग जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है. छात्र-छात्राओं में उत्साह देखने को मिला.

बाइक सवार बदमाशों ने युवक पर किया हमला

इंदौर. सांवेर थाना क्षेत्र में उज्जैन रोड स्थित शक्तिमान चौराहा पर बाइक सवार दो बदमाशों ने एक युवक पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया. वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए. पुलिस ने मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है. घायल युवक की पहचान 38 वर्षीय विनोद चौधरी के रूप में हुई है. उसने बताया कि वह अपने जनरेटर की मरम्मत के लिए सांवेर गया था. उसके साथ उसका दोस्त संतोष भी था. मरम्मत के दौरान दुकानदार से पैसों को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद दोनों जनरेटर लेकर मोटरसाइकिल से इंदौर की ओर लौट रहे थे. जैसे ही वे शक्तिमान चौराहा, धरमपुरी पहुंचे, तभी पीछे से एक मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति आए और उनकी बाइक को टक्कर मार दी. विरोध करने पर चेहरे पर कपड़ा बांधे पीछे बैठे युवक ने चाकू निकालकर विनोद पर हमला कर दिया. हमले में उसे बाएं बगल और कमर में गंभीर चोटें आईं, जबकि एक वार गले के पास भी लगा. घटना के बाद आरोपी मोटरसाइकिल सहित इंदौर की ओर भाग निकले. घायल विनोद को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है. सांवेर पुलिस केस दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके.

दो युवकों से पिस्टल व जिंदा कारतूस बरामद, मामला दर्ज

इंदौर. आजाद नगर पुलिस ने लेटेश्वर हनुमान मंदिर के पास न्यू आरटीओ रोड पर चेकिंग के दौरान दो युवकों को अवैध हथियार सहित पकड़ा है. तलाशी के दौरान एक आरोपी की कमर से देशी पिस्टल मिली, जिसमें मैगजीन लगी हुई थी और चेंबर में एक जिंदा कारतूस लोड हालत में था. उपनिरीक्षक संजय चौहान ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में नवाब पिता अब्दुल अजीज निवासी 34 यादव नगर, मुसाखेड़ी और सोहेल पिता सब्बीर अहमद निवासी 722 आजाद नगर शामिल हैं. पुलिस ने दोनों के खिलाफ थाना आजाद नगर में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है. पुलिस पूछताछ में यह जांच की जा रही है कि आरोपी पिस्टल कहां से लाए और उसका उपयोग किस उद्देश्य से करने वाले थे.

परदेशीपुरा पुलिस ने सटोरिये को रंगेहाथ पकड़ा

इंदौर. परदेशीपुरा पुलिस ने विश्रांति चौराहा क्षेत्र में सट्टा खिलाते एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है. कार्रवाई के दौरान आरोपी के पास से सट्टे से संबंधित सामग्री और नकदी जब्त की गई. प्रधान आरक्षक देवेन्द्र यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी दीपक पिता किशनराव उम्र 47 वर्ष, निवासी 901 न्यू गौरी नगर है. पुलिस टीम ने मौके से उसके कब्जे से सट्टे के दो अंक लिखी पर्चियां, एक लीड पेन और 200 रुपए नकद बरामद किए. आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

दहेज प्रताड़ना के तीन मामले दर्ज

इंदौर. शहर में दहेज प्रताड़ना के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है. अलग-अलग थानों में तीन महिलाओं ने अपने पतियों और ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने की शिकायत दर्ज कराई. तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में अंजली सिंह निवासी श्रीसाई रेजीडेंसी आरके पुरम, सिकंदराबाद (वर्तमान में सिल्वर स्प्रिंग फेस-02, नायता मुण्डला, इंदौर) ने शिकायत की कि उसके पति अश्विनी सिंह राठौर, ससुर कमलेन्द्र सिंह और देवर विनीत राठौर ने दहेज को लेकर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर घर से निकाल दिया. इसी तरह के एक मामले में एमजी रोड थाना क्षेत्र में कल्याण गजोरे निवासी बाबू घनश्यामदास नगर की रिपोर्ट पर गौरव माठे और तरुण माठे निवासी प्रजापत नगर द्वारकापुरी के खिलाफ दहेज की मांग, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया है. वहीं, महिला थाना में शिल्पा निवासी कबीटखेड़ी, न्यायनगर ने पति दीपक, सास ममता और ससुर केदार (निवासी अकोदिया, जिला शाजापुर) के खिलाफ दहेज मांगने व प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं. पुलिस तीनों मामलों में जांच कर रही है.

पुलिस ने 1 .40 किलो गांजा किया बरामद

इंदौर. कनाड़िया पुलिस ने फीनिक्स मॉल रोड स्थित नियोन पांडा गेम जोन के पास से दो युवकों को एक किलो 40 ग्राम अवैध गांजा के साथ पकड़ा है. पुलिस ने आरोपियों के पास से मोबाइल फोन भी जब्त कर दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है.

उपनिरीक्षक मुनेन्द्र सिंह कुशवाह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 32 वर्षीय रोहित पिता राधेश्याम चौहान, निवासी मकान नंबर 383 सिंगापुर टाउनशिप देवास नाका, इंदौर (स्थायी पता ग्राम तूमड़ा, थाना खजूरी सड़क, भोपाल) और 22 वर्षीय अरबिंद पिता विद्याराम चौहान निवासी मांगलिया रेलवे स्टेशन के पास क्षिप्रा, इंदौर (स्थायी पता-ग्राम तूमड़ा, भोपाल) के रूप में हुई है. दोनों आरोपी फीनिक्स मॉल रोड स्थित टीपीएस-05 के पास संदिग्ध स्थिति में दिखे. तलाशी लेने पर उनके पास रखी प्लास्टिक की थैली के अंदर हरे रंग की पन्नी में पैक 1 किलो 40 ग्राम गांजा मिला. साथ ही एक सैमसंग कंपनी का मोबाइल फोन भी जब्त किया. दोनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है. पुलिस अब यह जांच कर रही है कि आरोपी गांजा कहां से लाए थे और इसे कहां सप्लाई करने वाले थे.

ड्रोन से चौकसी : लसूड़िया पुलिस का आधुनिक निगरानी अभियान

- सूने मैदानों से बाजारों तक संदिग्धों पर कड़ी नजर, कई पर की गई कार्रवाई

इंदौर. शहर में कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए लसूड़िया पुलिस ने भी आधुनिक तकनीक का सहारा लेते हुए ड्रोन पेट्रोलिंग शुरू की है. पुलिस उपायुक्त जोन-02 कुमार प्रतीक के निर्देशन में थाना क्षेत्र की कॉलोनियों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर ड्रोन की मदद से संदिग्ध व्यक्तियों व गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है. ड्रोन में लगे हाई-रिजॉल्यूशन कैमरों के माध्यम से पुलिस को रियल-टाइम जानकारी मिल रही है, जिससे असामाजिक तत्वों पर तुरंत कार्रवाई संभव हो पा रही है. इस पहल से क्षेत्र में अपराधों पर अंकुश लगाने और नागरिकों की सुरक्षा को और मजबूत करने का लक्ष्य रखा है. अभियान के तहत स्कीम नंबर 78, बावड़ी हनुमान मंदिर, द हब एरिया सहित आसपास के हॉटस्पॉट जोनों में ड्रोन से एरियल सर्विलांस किया. इस दौरान सूने मैदानों, गली-मोहल्लों और पार्किंग स्थलों की बारीकी से निगरानी की गई. पुलिस ने पार्किंग में शराब पीने वालों और मोडिफाइड साइलेंसर वाली बुलेट से घूमने वाले युवकों पर कार्रवाई की. पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह, डीसीपी कुमार प्रतीक और एडीसीपी अमरेन्द्र सिंह के निर्देश पर चल रही यह ड्रोन पेट्रोलिंग पहल अपराध नियंत्रण के साथ-साथ नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास भी बढ़ा रही है.

सुरक्षाकर्मी तलाशी लेकर तंबाकू उत्पाद जब्त कर रहे

- स्वच्छता और संक्रमण रोकथाम के लिए एमवाय अस्पताल में सख्ती

इंदौर. शहर के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एमवाय में अब तंबाकू, गुटखा, पान-मसाला और सिगरेट जैसे नशे संबंधी उत्पादों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है. अस्पताल प्रशासन ने आज से ही यह नियम सख्ती से लागू कर दिया है. मुख्य गेट पर सुरक्षाकर्मी प्रत्येक व्यक्ति की तलाशी लेकर तंबाकू उत्पाद जब्त कर रहे हैं.

बीते कुछ महीनों से अस्पताल परिसर की दीवारों और फर्श पर गुटखे की पीक और थूक के कारण गंदगी बढ़ गई थी. इससे न केवल वातावरण दूषित हो रहा था, बल्कि गंभीर मरीजों और नवजातों के स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा रहा था. कई मरीजों के परिजन परिसर में खाना फेंकने और दीवारों पर थूकने जैसी हरकतें कर रहे थे, जिससे चूहे और संक्रमण की समस्या और बढ़ रही थी. अस्पताल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अब किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जाएगी और परिसर में गंदगी फैलाने या थूकने वालों पर जुर्माना लगाने की तैयारी की जा रही है. रेंजर और सुरक्षाकर्मियों को निर्देश दिए गए हैं कि तंबाकू उत्पादों को किसी भी हालत में अस्पताल के भीतर नहीं आने दिया जाए.

लोग नहीं बदल रहे आदतें, अब सख्ती ही विकल्प-प्रशासन का कहना है कि लगातार समझाइश देने के बावजूद लोग अपनी आदतें नहीं बदल रहे थे. अब सख्त कदम उठाकर स्वच्छता और संक्रमण नियंत्रण सुनिश्चित किया जा रहा है. अस्पताल प्रबंधन का दावा है कि आने वाले दिनों में परिसर की तस्वीर साफ-सुथरी और बेहतर दिखाई देगी.

सिंगापुर ग्रीन व्यू कॉलोनी में दिनदहाड़े चोरी

घर का ताला तोड़कर सोने का हार और नकदी पार

इंदौर. लसूड़िया थाना क्षेत्र के सिंगापुर ग्रीन व्यू प्रीमियम कॉलोनी में अज्ञात चोरों ने बंद मकान का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया. बदमाश सोने का हार और नकदी लेकर फरार हो गए. घटना का पता तब चला, जब गृहस्वामी शाम को घर लौटे.

फरियादी 31 वर्षीय रजत हाड़े, निवासी 289 एनएक्स सिंगापुर ग्रीन व्यू प्रीमियम, ने पुलिस को बताया कि वह सुबह घर से निकले थे. शाम करीब साढ़े छह बजे लौटने पर उन्होंने देखा कि मुख्य दरवाजे और अंदर के दरवाजे के ताले टूटे हुए थे. अंदर जाने पर सामान बिखरा हुआ था और आलमारी से सोने का हार व नकदी रकम गायब थी. सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम के साथ जांच की.

मदरहुड अस्पताल में महिला के बैग से छह हजार रुपए गायब

इंदौर. विजयनगर थाना क्षेत्र स्थित मदरहुड अस्पताल में भर्ती मरीज के परिजन के बैग से छह हजार रुपए चोरी होने का मामला सामने आया है. अस्पताल के पीआईसीयू वार्ड में रखे बैग से करीब छह हजार रुपए अज्ञात चोर उड़ा ले गया. पुलिस ने मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है. फरियादिया 28 वर्षीय नंदनी शर्मा, निवासी 613-बी तुलसी नगर, इंदौर ने बताया कि उसने अपने बेटे शिवांश शर्मा को तबीयत खराब होने पर मदरहुड अस्पताल के फर्स्ट फ्लोर स्थित पीआईसीयू वार्ड में भर्ती कराया था. इलाज के दौरान उसने अपना लैदर का बैग पलंग के पास रखा था, जिसमें कपड़े और अंदर की छोटी जेब में करीब छह हजार रुपए रखे थे. शाम को रुपए की आवश्यकता पड़ने पर जब उसने बैग देखा तो रुपए गायब थे. किसी अज्ञात व्यक्ति ने बैग में रखी रकम चोरी कर ली थी. विजयनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है. अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि आरोपी का पता लगाया जा सके.

एक नजर में पढ़ाई का दबाव दोनों के ही मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है

बढ़ते शैक्षणिक दबाव के दौर में बच्चों और अभिभावक दोनों को परामर्श जरूरी

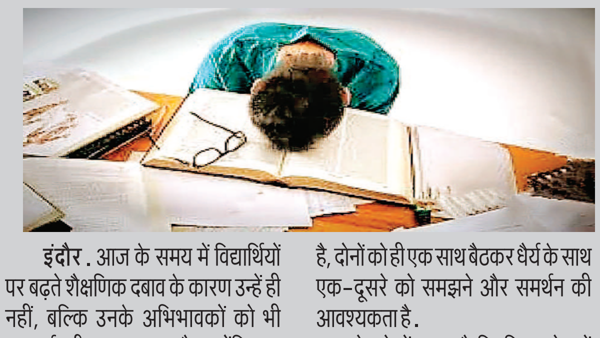

इंदौर. आज के समय में विद्यार्थियों पर बढ़ते शैक्षणिक दबाव के कारण उन्हें ही नहीं, बल्कि उनके अभिभावकों को भी परामर्श की आवश्यकता है, क्योंकि यह दबाव उनके मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है. विद्यार्थियों के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण बनाने, तनाव से निपटने के तरीके खोजने और यह समझने के लिए कि यह दबाव क्यों है, दोनों को ही एक साथ बैठकर धैर्य के साथ एक-दूसरे को समझने और समर्थन की आवश्यकता है.

देखने में आया है कि शिक्षा क्षेत्र में बढ़ती स्पर्धा इस हद तक पहुंच चुकी है कि छात्र-छात्राएं अपने मानसिक संतुलन को स्थिर नहीं कर पाते. एक सर्वे में पता चला है कि 67.3 प्रतिशत विद्यार्थी शिक्षा और कॅरियर को लेकर दबाव से गुजरते हैं. ऐसे में तनाव की स्थिति ज्यादा गंभीर बन जाती है और इसके घातक परिणाम सामने आते हैं. आईआईटी, जेईई, नीट, यूपीएससी के अलावा कई ऐसे विषय हैं, जिनके आधे सत्र हो चुके हैं. अब यही समय है कि छात्र-छात्राओं पर रैंक बढ़ाने का जुनून सवार हो जाता है. वहीं शिक्षक एवं माता-पिता भी बच्चों से बड़ी उम्मीदें लगाए रहते हैं. ऐसे में बच्चों में तनाव के चलते वे दूसरी दिशा की ओर बढ़ जाते हैं. आने वाले समय के लिए माता-पिता अपने आप को भी तैयार करें और अपने बच्चों की बात को ना काटते हुए पूरी बात सुनो. क्योंकि अधिकांश बच्चे ऐसी स्थिति में अपनी बात नहीं कह पाए और अंदर ही अंदर घुटन से घिर जाते और डिप्रेशन का शिकार हो जाते हैं.

यह बोले जानकार...

माता-पिता अपने व्यवहार में बदलाव लाएं और समझें कि बच्चा मशीन नहीं है, उसकी बात बीच में काटें नहीं, पहले पूरी सुनें. गुस्से या डांट से स्थिति और खराब होती है, इसलिए धैर्य रखें, उनकी छोटी उपलब्धियों की भी तारीफ करें. इससे बच्चे में उत्साह और आत्मबल बढ़ेगा.

- नदीम खान

यदि आप तनाव में हैं तो बच्चे को शांत होकर गले लगाएं, यह सबसे मजबूत थैरेपी है. साथ बैठकर पढ़ाई का टाइमटेबल और ब्रेक प्लॉन करें. खुद भी घर में सकारात्मक माहौल रखें. माता-पिता के तनाव का असर बच्चों पर सबसे ज्यादा पड़ता है.

- मनोज गुप्ता

पढ़ाई एक यात्रा है, दौड़ नहीं. हर बच्चे की अपनी गति अपनी क्षमता और अपने सपने होते हैं. माता-पिता यदि भरोसा और समझ दें तो कोई भी बच्चा दबाव के अंधेरे से निकलकर सफलता की रोशनी तक पहुंच सकता है.

- विजय गाजरे